07 MAY 2024 M4U:Layout 1 06-May-24 10:40 PM Page 1

दैनिक

प्रकाशन के 09 वर्ष

RNI: UPHIN/2015/65169

मंगलवार 07 मई 2024

वर्ष: 09, अंक: 103

पृष्ठ: 04 मूल्य: 02 रुपया

जनता की आवाज

मीडिया फॉर यू

गाजियाबाद से प्रकाशित हापुड़ ❖ मेरठ ❖ शामली ❖ मुजफ्फरनगर ❖ बागपत ❖ सहारनपुर ❖ बिजनौर ❖ दिल्ली एनसीआर में प्रसारित

Email:- m4unews@gmail.com 8445657566

विभाग मे भ्रष्ट ठेकेदारों के खिलाफ... 4

चुनाव प्रचार की पिच पर योगी का शतक

27 मार्च को मथुरा में प्रबुद्ध सम्मेलन से शुरू किया था चुनाव प्रचार, 37 दिन में 100 स्थानों पर किया जनसंवाद

⊕ 73 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन, 10 रोड शो व लोकसभा संचालन समिति की दो बैठक में भी कार्यकताओं का किया मार्गदर्शन

⊕ महाराष्ट्र में छह, राजस्थान में चार जनसभा व दो रोड शो, उत्तराखंड में चार, पश्चिम बंगाल-छत्तीसगढ़ में तीन-तीन, बिहार में दो, मध्य प्रदेश-जम्मू में एक-एक जनसभा को किया संबोधित

⊕ प्रचार के बीच में ही चैत्र रामनवमी, नवरात्रि, कन्या पूजन कर गोरक्षपीठाधीश्वर की भूमिका का भी किया निर्वहन

19 दिन में 50 और 37 दिन में 100 स्थानों पर जनसंवाद

'अबकी बार-400 पार के लिए' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सारथी के रूप में योगी आदित्यनाथ निरंतर रैली, रोड-शो, जनसभा, प्रबुद्ध सम्मेलन कर रहे हैं। महज 19 दिन के भीतर (चैत्र नवरात्रि की अष्टमी) ही योगी आदित्यनाथ ने 50 स्थानों पर संवाद साध लिया था। 27 मार्च से छह मई तक चुनाव प्रचार के 41 दिन हो चुके, जिसमें से 37 दिन योगी आदित्यनाथ ने एनडीए प्रत्याशियों के लिए विभिन्न राज्यों व उत्तर प्रदेश के अनेक जनपदों में पहुंचकर जनसंवाद किया। इसके अतिरिक्त वे गोरखपुर में रामनवमी, चैत्र नवरात्र व कन्या पूजन में भी शामिल हुए। साथ ही पार्टी की बैठकों व कार्यक्रमों का भी हिस्सा बने।

मीडिया फॉर यू ब्यूरो

लखनऊः लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर 'अबकी बार-400 पार' में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा आधार बनेगा। इसी उम्मीद के साथ यहां की 80 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाने के लिए कप्तान योगी आदित्यनाथ निरंतर धुआंधार रैलियां कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ 27 मार्च को प्रबुद्ध सम्मेलन से चुनावी पिच पर उतरे थे और महज 37 दिन (छह मई) में उन्होंने 100 स्थानों पर जनसंवाद करते हुए सोमवार को शतक लगा दिया। इसमें 73 जनसभाएं, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन, 10 रोड शो व लोकसभा संचालन समिति की दो बैठक शामिल है। वहीं उत्तर प्रदेश के अलावा 'बुलडोजर बाबा' ने महाराष्ट्र में छह, राजस्थान में चार जनसभा व दो रोड शो, उत्तराखंड में चार, पश्चिम बंगाल-छत्तीसगढ़ में तीन-तीन, बिहार में दो, मध्य प्रदेश-जम्मू में एक-एक जनसभा को भी संबोधित किया।

73 जनसभाएं, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन, 10 रोड शो व लोकसभा संचालन समिति की दो बैठक कर सहेजा

भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। उन्होंने 37 दिन में भाजपा व एनडीए प्रत्याशियों के लिए 73 जनसभाएं कीं। 15 प्रबुद्ध सम्मेलन किए। वाराणसी व गोरखपुर जैसी महत्वपूर्ण सीटों (एक जून को वोटिंग) के लिए लोकसभा संचालन समिति की बैठक की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ और अकेले भी उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में दस से अधिक रोड शो किया। जहां-जहां भी गए, हर जगह योगी-योगी की गूंज गुंजायमान रही।

योगी ने गोरक्षपीठाधीश्वर के साथ ही निभाई भाजपा कार्यकर्ता की भी भूमिका

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश का बखूबी दायित्व संभालने के साथ गोरक्षपीठाधीश्वर की भूमिका का भी निर्वहन करते हैं। नवरात्रि में उपवास के बावजूद उन्होंने पार्टी कार्यकर्ता के रूप में कई सीटों पर रैलियां कीं। बिना थकान वे निरंतर प्रत्याशियों का हाथ थामे हुए हैं। चैत्र नवरात्रि की सप्तमी तिथि पर गोरखपुर पहुंचकर गोरक्षपीठाधीश्वर पूजन में शामिल भी हुए तो अष्टमी की सुबह मंदिर में पूजा-पाठ के बाद प्रचार-प्रचार के लिए पश्चिमी उप्र के तीन लोकसभा सीटों पर भी गए थे। उन्होंने पीएम के गले में पड़ने वाली 80 मनकों की माला में यहां से भी योगदान का आह्वान किया।

आठ राज्यों में कर चुके चुनाव प्रचार

37 दिन में योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त आठ राज्यों में भी भाजपा व एनडीए प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया। बुलडोजर बाबा ने महाराष्ट्र में छह, राजस्थान में चार जनसभा व दो रोड शो, उत्तराखंड में चार, पश्चिम बंगाल-छत्तीसगढ़ में तीन-तीन, बिहार में दो, मध्य प्रदेश-जम्मू में एक-एक जनसभा को भी संबोधित किया। उप्र के बाहर योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितेंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व केंद्रीय मंत्री व कद्दावर नेता एसएस अहलूवालिया, छत्तीसगढ़ की कोरबा सीट से सरोज पांडेय, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत आदि नामचीन, कद्दावर व बड़े नेताओं के लिए भी रैली/रोड शो किया।

लोकसभा संचालन समिति की बैठक (वाराणसी-गोरखपुर)

◎ प्रबुद्ध सम्मेलन (मथुरा, मेरठ, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, हाथरस, बुलंदशहर, नोएडा, पीलीभीत, बदायूं, बरेली व आगरा)

◎ रोड शो(गाजियाबाद, सहारनपुर, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, मेरठ, बरेली, लखनऊ, मैनपुरी, कानपुर व अयोध्या)

◎ नोटः गाजियाबाद, बरेली, कानपुर व अयोध्या में पीएम मोदी संग सीएम योगी भी हुए शामिल
अन्य स्थानों पर सीएम ने की रैली

संक्षिप्त समाचार

बुलढाणा: सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

बुलढाणा (वार्ता)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में नागपुर-मुंबई समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक एसयूवी और ट्रक में टक्कर हो जाने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुआ। उन्होंने बताया कि एसयूवी ट्रक के पिछले हिस्से से टकराने के बाद राजमार्ग पर लगी रेलिंग से टकरा गई। इस हादसे में एसयूवी में सवार दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि घटना के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। पुलिस ने बताया कि इसी तरह की एक अन्य दुर्घटना में रविवार रात जिले के संभाजीनगर राजमार्ग पर एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना रात करीब 11 बजे किनगांवराजा गांव के पास एक ट्रक और टिप्पर के बीच टक्कर हो जाने के कारण हुई। उन्होंने बताया कि टिप्पर के चालक की मौत हो गई जबकि आरोपी ट्रक चालक घायल हो गया जिसका जालना में इलाज किया जा रहा है। हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

मनोहर लाल खट्टर ने करनाल लोकसभा सीट से नामांकन भरा

करनाल (वार्ता)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सोमवार को राज्य की करनाल लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। खट्टर के साथ राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी थे। सैनी ने करनाल विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। हरियाणा की करनाल समेत 10 लोकसभा सीटों के लिए मतदान 25 मई को होगा।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस ने नौ आईईडी, विस्फोटक सामग्रियों को नष्ट किया

गढ़चिरौली (वार्ता)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के एक पहाड़ी इलाके में पुलिस ने सोमवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए नौ इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और अन्य विस्फोटक सामग्रियों को नष्ट कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि पुलिस को टीपागड क्षेत्र में विस्फोटकों के बारे में सूचना मिली जिसके बाद बम निरोधक और बम का पता लगाने वाले दो दस्ते, एक त्वरित कार्रवाई दल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) केसी-60 को विस्फोटकों की तलाश करने और जरूरत पड़ने पर मौके पर ही नष्ट करने के लिए रवाना किया गया। पुख्ता जानकारी मिली थी कि माओवादियों ने लोकसभा चुनाव के दौरान आईईडी विस्फोट करने की साजिश रची है। उन्होंने बताया कि सूचना में स्थान के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई, इसलिए पूरे क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया गया और हमलों को रोकने के लिए सुरक्षाबलों की भारी तैनाती की गई। अधिकारी ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि टीपागड में विस्फोटक लगाए गए हैं और इलाके की तलाशी के लिए बम निरोधक दस्ते और सीआरपीएफ जवानों की एक टीम को रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि टीम ने नौ आईईडी, तीन क्लेमोर पाइप, विस्फोटकों और डेटोनेटर से भरे छह प्रेशर कुकर तथा विस्फोटकों और छर्रों से भरे तीन और क्लेमोर पाइप बरामद किए। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से बारूद से भरा एक प्लास्टिक बैग और कुछ दवाएं और कंबल भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने नौ आईईडी और तीन क्लेमोर पाइप को वहीं पर नष्ट कर दिया। बाकी सामग्री मौके पर ही जला दी गई।

मुंबई : फिरौती के लिए अपहरण करने के आरोप में दो पर मामला दर्ज

ठाणे (वार्ता)। नवी मुंबई में 45 साल के व्यक्ति का फिरौती के लिए अपहरण करने के आरोप में दो लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। सोमवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर, वाशी पुलिस ने छत्रपति संभाजीनगर के निवासी आरोपी संतोष रोहिदास उर्फ बबलू और चरण राठौड़ के खिलाफ, रविवार को भारतीय दंड संहिता के तहत धारा 364अ (फिरौती के लिए अपहरण) का मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया कि दो लोगों के साथ पीड़ित सचिन राठौड़ अपने दोस्त से मिलने के लिए शनिवार रात को घर से निकले। रविवार की सुबह सचिन की पत्नी को एक फोन कॉल आया जिसमें सचिन ने अपनी पत्नी को पांच करोड़ रुपये का इंतजाम करने को कहा। अधिकारी ने बताया कि बाद की कॉलों में फिरौती की मांग बढ़कर 10 करोड़ रुपये तक पहुंच गई और पत्नी शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंची। उन्होंने बताया कि सचिन का पता लगाने के लिए प्रयास जारी हैं और पुलिस उनके लापता होने में कथित आरोपी की संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

उत्तराखंड में चमके जनपद के सितारे

- मार्शल आर्ट में बनाई अलग पहचान नीरज सैनी को इंटरनैशनल कोंच अवार्ड व उनके छात्रों को नैशनल, इंटरनैशनल ओर बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया

मीडिया फॉर यू ब्यूरो

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार भारत सेवा आश्रम, देवपुरा चौक, में आयोजित दिनांक 5 मई को द्रोण रत्न स्पोर्ट अवॉर्ड का आयोजन किया गया जिसमें नीरज सैनी को 2022 में हुएं हरीद्वार में बेस्ट टीचर अवार्ड पहले ही प्राप्त कर चुके हैं और इस बार भी कराटे कोंच सेंसेई नीरज सैनी को उनके पिछले कार्यकाल को देखते हुए इस बार भी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय वह अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने और खुद भी बदल जीतकर देश का नाम रोशन करने पर द्रोण रत्न इंटरनेशनल कोच अवार्ड देकर सम्मानित किया गया मुजफ्फरनगर नीरज कराटे क्लासेस से जनरल सेक्रेटरी कराटे कोंच सेंसेई सैनी ने बताया कि उनकी कराटे क्लासेस से आरव शर्मा को बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड, कनिष्क दयाल को इंटरनेशनल प्लेयर अवॉर्ड, दर्श सिंह को बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड के साथ साथ 13 दान ब्लैक बेल्ट देकर सम्मानित किया गया इस समारोह में पुरे देश भर से 90 खिलाड़ियों व गुरुओं का चयन उनके डाक्यूमेंट्स चेक करने के बाद सम्मानित किया विहान विनोद कुमार वर्मा ,उत्तर प्रदेश से जनरल सेक्रेटरी शिहान अमित कुमार गुप्ता, शिहान बसंत उपाध्याय, कुलदीप सोनी आदि उपस्थित रहे।

नीट का पेपर लीक होना युवाओं के साथ फिर खिलवाड़: कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश के लिए होने वाली नीट परीक्षा पेपर लीक होने की खबरों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आज कहा कि मोदी सरकार पेपर लीक की बीमारी रोक पाने में असमर्थ हो रही है और उसने एक बार फिर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा "एक बार फिर से नीट का पेपर लीक होने की खबरें आ रही हैं। देश के 24 लाख युवाओं के भविष्य के साथ फिर से खिलवाड़ हुआ। पिछले दस बरसों से करोड़ों होनहार युवाओं के साथ चल रहा यह सिलसिला बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। क्या देश के प्रधानमंत्री इस पर कुछ कहेंगे। युवाओं को बहलाने के लिए संसद में पेपर लीक के खिलाफ कानून पास हुआ था। वह कानून कहां है। लागू क्यों नहीं होता।" उन्होंने कहा "इसलिए बेरोजगारी और नौकरियों में भ्रष्टाचार इस चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा है। हमारे न्याय पत्र का संकल्प है कि पेपर लीक बंद होगा। भर्तियां कैलेंडर के हिसाब से निकलेंगी। खाली पद भरे जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ यह खिलवाड़ बंद होगा और हम ये करके दिखाएंगे।" कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा "आज बिहार में नीट के पेपर लीक होने की खबरें आई हैं। इसके अलावा राजस्थान से परीक्षा केंद्रों पर नीट परीक्षा के प्रश्नपत्रों के गलत सेट बांटे जाने की भी शिकायतें आई हैं। पिछले सात वर्षों में 70 से अधिक पेपर लीक हुए हैं जिससे दो करोड़ से अधिक उम्मीदवारों का भविष्य बर्बाद हुआ है। कई राज्यों में पेपर लीक को लेकर कानून होने के बावजूद पेपर लीक हो रहे हैं।" उन्होंने हाल में हुए पेपर लीक के उदाहरण देते हुए कहा "बिहार में 15 मार्च को शिक्षक भर्ती परीक्षा में 3.75 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। कुछ ही दिनों में पेपर लीक की वजह से परीक्षा रद्द करनी पड़ी फिर 17 और 18 फरवरी को यूपी पुलिस परीक्षा में 60 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। 24 फरवरी को पेपर लीक के चलते योगी सरकार को परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी।" कांग्रेस की 5 युवा न्याय गारंटियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें एक गारंटी पेपर लीक से मुक्ति की भी है। पेपर लीक में शामिल अपराधियों को सिर्फ. सजा देना पर्याप्त नहीं है। हमारा लक्ष्य किसी भी पेपर को लीक होने से रोकना है। हमारे कानून पेपर-आधारित और कंप्यूटर-आधारित परीक्षाओं के लिए - पेपर सेटिंग, प्रिंटिंग, परिवहन, प्रशासन और निरीक्षण से लेकर परीक्षा की प्रक्रिया के हर चरण में ईमानदारी और निष्पक्षता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करेंगे।

एन सी सी कैडेट्स राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें: कर्नल आर पी दहिया

मीडिया फॉर यू ब्यूरो

मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 35 यू पी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर के कमान अधिकारी कर्नल आर पी दहिया एवं कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य तेजपाल सिंह (पूर्व मेजर) ने एन सी सी ए प्रमाण पत्र वितरण के अवसर पर एन सी सी कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एन सी सी कैडेट्स को राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान के क्रम में उन्हें देश सेवा जिसमें वे देश की समृद्धि और सुरक्षा में अपना योगदान देकर राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का काम करना चाहिए। इसके अतिरिक्त टीम वर्क कोशल और समाज के विकास में नेतृत्व की भूमिका में सक्रिय भागीदार बनकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करने में अग्रिम भूमिका निभाये। कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने बताया कि कुल 49 कैडेट को एन सी सी के दो वर्षीय प्रशिक्षण के उपरांत एन सी सी ए प्रमाण पत्र दिए गए हैं जिन्होंने दो वर्ष के कठोर प्रशिक्षण के उपरांत ए प्रमाण पत्र के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा में सफलता प्राप्त की । इस अवसर पर प्रवीण जैनर ने कैडेट्स को सामाजिक क्षेत्र में उनकी ज़िम्मेदारी से अवगत कराते हुए पर्यावरण संरक्षण करने, पौधारोपण करने, सामाजिक बुराइयों को दूर करने में मदद करने एवं अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज प्रधानाचार्य तेजपाल सिंह ने कहा कि एन सी सी कैडेट्स का समाज सेवा के क्षेत्र में अपार योगदान रहता है पर्यावरण संरक्षण से लेकर देश के चहुंमुखी विकास में एन सी सी कैडेट्स हमेशा अपनी भूमिका निभाते हैं इस मौके पर वाहिनी के सूबेदार मेजर राजेंद्र सिंह, सीटीओ मोदी कॉलेज राजीव जांगिड एवं एन सी सी कैडेट्स आयुष, संदीप चौधरी, तरुण, हिमांशु भाटिया, हर्षवर्धन, शिवाँशु यादव, यश शर्मा, चेतन शर्मा आदि का विशेष योगदान रहा।

07 MAY 2024 M4U:Layout 1 06-May-24 10:40 PM Page 2

सम्पादकीय

नशे के कारोबार

हाल ही में एक पाकिस्तानी नौका से छह सौ करोड़ मूल्य की 86 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी भारत में नशे के बढ़ते कारोबार में विदेशी साजिश का खुलासा करती है। वैसे यह अकेली घटना नहीं है, हाल ही के वर्षों में अरबों रुपये के नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। दरअसल, कई देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों की मिलीभगत से नार्को-आतंकवाद के एक बड़े पैटर्न को अंजाम दिया जा रहा है। निश्चित तौर पर यह साजिश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती है। पुराने अनुभव बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर व पंजाब में नशे के कारोबार से अर्जित धन को आतंकवाद के पोषण में लगाया गया। आतंकवादियों को हथियार व पैसा उपलब्ध कराया गया। पिछली मई में भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी और नौसेना के साझे मिशन के जरिये केरल तट पर ढाई हजार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह हजार करोड़ रुपये बतायी गई थी। यह देश में बरामद अब तक की सबसे बड़ी नशे की खेप थी। गत माह गुजरात के तट पर साठ पैकेट ड्रग्स ले जा रही एक नौका को जब जब्त किया गया तो छह पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह फरवरी में पोरबंदर तट पर पांच विदेशी नागरिकों को चरस व 3300 किलोग्राम नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। दरअसल, इस नशे के कारोबार की शुरूआत अक्सर अफगानिस्तान से होती है, जहां अफीम व हेरोइन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। नशे का यह कारोबार अब अफगान सरकार की आय का बड़ा स्रोत भी है। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम समुद्र के जरिये मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिये गंभीर उपायों की जरूरत बताता है। जिसके लिये मजबूत कानून, प्रवर्तन एजेंसियों की भागीदारी, कुशल खुफिया-साझाकरण तंत्र, नौसेना व तटरक्षक बलों में तालमेल तथा आतंकरोधी दस्ते के जरिये निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है। यह भी विचारणीय प्रश्न है कि ये नशीले पदार्थ किस तरह व कहां भारत में बेचे जा रहे हैं। नशीले पदार्थों के मांग पक्ष को भी संबोधित करने की जरूरत है। नशीली दवाओं की रोकथाम के साथ ही पुनर्वास कार्यक्रमों में निवेश किया जाना चाहिए। साथ ही नशे के खिलाफ युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। उन उपायों को लागू करना होगा जो युवाओं को नशे से दूर रखने में मददगार हो सकें। जब भी नशे की कोई बड़ी खेप बरामद होती है तो हमारी चिंता बढ़ जाती है। सोमवार को पंजाब में नशे की एक बड़ी खेप के साथ ड्रग मनी व अन्य अवैध सामान बरामद किए गए। इस काले धंधे में अभियुक्त व्यक्ति ही नहीं, उसकी बेटी व दामाद भी लिप्त थे। यह नशे का सामान पाकिस्तान के रास्ते भारत पहुंच रहा था। सवाल उठता है कि यदि इतने बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी न होती तो कितने युवा नशीले पदार्थों का सेवन करके पथभ्रष्ट होते? देश का कितना धन विदेशों को चला जाता? इस नशे से मिलने वाला धन कालांतर में आतंकवाद व अपराध की दुनिया को मजबूत करता। हाल ही के दिनों में नशीले पदार्थों की भारी मात्रा में बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती कि देश में नशीले पदार्थों की खपत लगातार बढ़ रही है। जो निश्चित रूप से देश की युवा शक्ति को पतन के मार्ग की ओर ले जा रही है। देखा गया है कि नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले युवा कालांतर महंगा नशा जुटाने के लिये अपराध की दुनिया में उतर जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब व देश के अन्य भागों में हर साल हजारों युवा नशे की ओवरडोज से मौत की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में देश के भविष्य को बचाने के लिये हमें राष्ट्रीय स्तर पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने होंगे। पिछले वर्ष पंजाब में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थ भारत लाये जाने के तमाम मामले प्रकाश में आए। कई ड्रोन मार गिराये गए और भारी मात्रा में नशीले पदार्थ व हथियार भी बरामद किये गए। इन हालात में सुरक्षातंत्र को मजबूत करने, नशा मुक्ति अभियान चलाने व नशेड़ियों के पुनर्वास के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है।

विरासत के सहारे जीत की तलाश करते हुए राहुल गांधी

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नामांकन जमा करने के समय जिस प्रकार से बड़े नेताओं का जमघट लगा, वह भले ही जनता में प्रभाव डालने के लिए किया हो, लेकिन इससे यह भी राजनीतिक सन्देश सुनाई दे रहा है कि अब रायबरेली की सीट भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है।

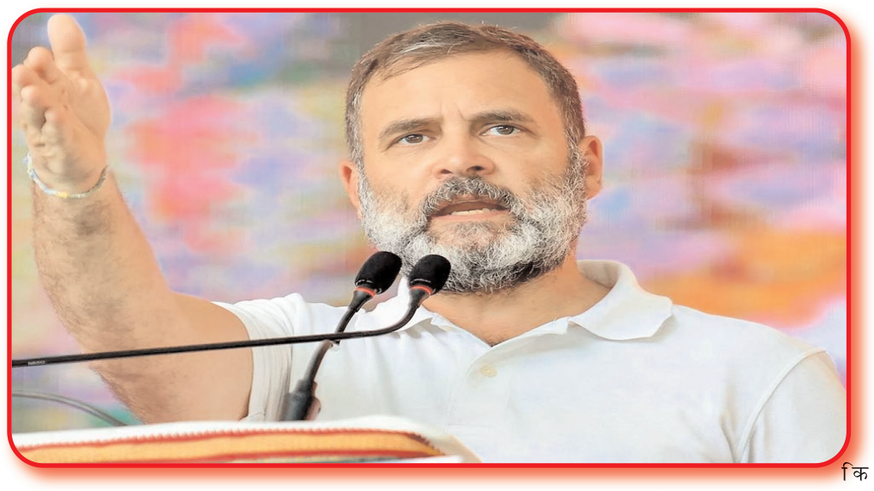

कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तरप्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव न लड़ पाने की हिम्मत के बाद आखिर परम्परागत रायबरेली से नामांकन दाखित कर दिया। यह बात सही है कि राहुल गांधी के अमेठी छोड़ने के बाद कांग्रेस राजनीति में कोई ठोस सन्देश देने में सफल नहीं हो रही थी, जिसके कारण कांग्रेस के कई नेता अमेठी के बारे में बोलने से किनारा करने लगे थे। अब राहुल गांधी अपने दादा फिरोज खान, दादी इंदिरा गांधी और माँ सोनिया गांधी की विरासत को बचाने के लिए मैदान में आ गए हैं। यहाँ सवाल यह नहीं हैं कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस ने रायबरेली को क्यों चुना, बल्कि सवाल यह है कि राहुल गांधी ने अमेठी को क्यों छोड़ा। क्या वास्तव में राहुल गांधी को फिर से अपनी पराजय का डर लगने लगा था? अगर यह सही है तो फिर ऐसा क्यों है कि राहुल गांधी हर बार अपने लिए सुरक्षित स्थान की तलाश क्यों करते हैं। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अमेठी में अपनी जमीन खिसकती दिखाई दी, तब उन्होंने एकदम सुरक्षित लगने वाली सीट केरल की वायनाड को चुना। वहाँ से चुनाव जीते जरूर, लेकिन अमेठी की हार कांग्रेस परिवार की हार थीं, जिसे कांग्रेस आज तक भुला नहीं पायी है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ाना खतरे से खाली नहीं था।

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नामांकन जमा करने के समय जिस प्रकार से बड़े नेताओं का जमघट लगा, वह भले ही जनता में प्रभाव डालने के लिए किया हो, लेकिन इससे यह भी राजनीतिक सन्देश सुनाई दे रहा है कि अब रायबरेली की सीट भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। यह इसलिए भी कहा जा सकता है कि वहाँ लगभग सभी बड़े नेता उपस्थित हुए। यहाँ तक कि प्रियंका वाड्रा के पति रोबर्ट वाड्रा भी कांग्रेस के विरासती राजनेता के तौर पर उपस्थित हुए। ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि एक ही परिवार के चार व्यक्तियों को कांग्रेस के बड़े नेताओं के रूप में प्रचारित करना निसंदेह कांग्रेस पर परिवारवादी होने को ही प्रमाणित करता है। जिस परिवारवाद के आरोप के कारण कांग्रेस असहज हो जाती है, आज कांग्रेस ने फिर से उसी रास्ते पर कदम बढ़ाने को अपनी नियति मान लिया है। हालांकि कांग्रेस ने आनन फानन में राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाकर यह तो सन्देश दिया ही है कि भारत में रायबरेली ही राहुल गांधी के लिए सबसे सुरक्षित लोकसभा सीट है। यहाँ कांग्रेस का परम्परागत मतदाता है, वहीं यह क्षेत्र नेहरू गांधी परिवार की विरासत भी है। कहा जाता है कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति अगर अपनी विरासत को विस्मृत कर देता है, तो उसे नए सिरे से अपनी जमीन तैयार करनी पड़ती है। और अगर विरासत के आधार पर अपने कदम बढ़ाता है तो उसकी आधी राह आसान हो जाती है। राहुल गांधी के सामने तमाम सवाल होने के बाद भी ऐसा लगता है कि उन्होंने अपनी आधी बाधा को पार कर लिया है। रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ इसलिए भी माना जाता है कि क्योंकि यहाँ से इंदिरा गांधी के पति फिरोज खान दो बार सांसद रहे, उसके बाद इंदिरा गांधी भी सांसद रहीं। अब पिछले पांच बार से सोनिया गांधी लोकसभा का चुनाव जीती हैं। मजेदार बात यह भी है कि वर्ष 1977 के आम चुनाव में जनता लहर में इंदिरा गांधी को भी पराजय का दंश भोगना पड़ा। उसके बाद एक बार भाजपा ने भी परचम लहराया है। इसलिए यह कहा जाना कि रायबरेली में कांग्रेस आसानी से विजय प्राप्त करेंगी, कठिन ही है। आज कांग्रेस की स्थिति देखकर यह भी कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए कि आज की कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा नेता नहीं है। जब इंदिरा गांधी चुनाव हार सकती हैं, तब आज तो कांग्रेस की स्थिति बहुत कमजोर है। ऐसा तो तब हुआ, जब उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं था, इसलिए कांग्रेस उत्तरप्रदेश में अच्छी खासी जीत हासिल करती थी। लेकिन अब उत्तरप्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य बदला हुआ है। अब कांग्रेस के पास पहले जैसा वोट बैंक भी नहीं है, हालांकि इस चुनाव में सपा का समर्थन कांग्रेस के पास है, इसलिए चुनाव में सपा के कार्यकर्ता भी राहुल का प्रचार करेंगे, ऐसे में निश्चित ही कांग्रेस का वजूद बढेगा ही, यह तय है, लेकिन कितना बढ़ेगा, यह कहने में जल्दबाजी ही होगी।

वर्तमान में कांग्रेस के लिए यह पेचीदा सवाल ही था कि कांग्रेस की ओर से अमेठी और रायबरेली से किसको प्रत्याशी घोषित किया जाए, क्योंकि इन दोनों सीटों पर प्रथम तो गांधी परिवार का पुख्ता दावा बनता था। इसलिए दोनों क्षेत्रों में से किसी एक से प्रियंका वाड्रा को चुनाव मैदान में उतारने की कवायद भी की जा रही थी, लेकिन प्रियंका को इस बार चुनाव लड़ने से दूर कर दिया। लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी के रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद कांग्रेस अमेठी के चुनाव को गंभीरता से लेगी, क्योंकि अब कांग्रेस का पूरा जोर राहुल गांधी को जिताने में लगेगा। राहुल गांधी को जिताना कांग्रेस की मजबूरी है, क्योंकि अब राहुल गांधी ही नहीं, पूरी कांग्रेस की साख दांव पर लगी है। अगर कांग्रेस रायबरेली से चुनाव हारती है तो देश में कांग्रेस के बारे में गलत सन्देश जाएगा। यहां पर एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी आ रहा है कि राहुल गांधी द्वारा पिछले चुनाव में भी दो स्थानों से चुनाव लड़े थे, जिसमें अमेठी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब वायनाड से उम्मीदवारी के बाद रायबरेली की रुख करके फिर से संदेह को जन्म दिया है। ऐसा लग रहा है कि इस बार वायनाड का चुनाव बहुत ही टक्कर का माना जा रहा है। कुछ खबरें तो राहुल गांधी के हारने तक की बात कह रही हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि इसलिए ही राहुल गांधी को फिर से दो स्थानों से चुनाव लड़ाया जा रहा है। राहुल गांधी का उत्तरप्रदेश से चुनाव लड़ना कोई नया नहीं है, वे अमेठी से भी चुनाव लड़ चुके हैं। इसलिए उनके नाम का जादू कोई नया प्रभाव छोड़ेगा, यह पूरी तरह विश्वास के साथ नहीं कहा जा सकता।

- सुरेश हिन्दुस्थानी, वरिष्ठ पत्रकार

इंटरपोल महासभा लियोन,फ्रांस में भारत का आगाज- वैश्विक सुरक्षा के लिए ऑनलाइन कट्टरपंथ महत्वपूर्ण चुनौती है

कट्टरपंथी विचारधारा को लाइक शेयर से बचकर,जनता ने पुलिस और नीति निर्धारकों का सहयोग करना जरूरी

प्रौद्योगिकी युग में अब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पुलिस और नीति निर्धारकों के साथ,हम सबके उंगलियों के नीचे है,इसलिए लाइक शेयर सोच समझकर करें-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आंधी से तेज गति से बढ़ती हुई सूचना प्रौद्योगिकी से जितनी अधिक सहूलियतों से लाभ मिल रहे हैं तो, हानियां भी कुछ काम नहीं हो रही है जिसको रेखांकित करना हम सबका काम है क्योंकि,हमारी जीवन शैली, राष्ट्र के लिए विकास और दुनियां हमारी मुट्ठी और उंगलियों पर आ गई है, तो उतनी ही हमारी मानवीय जिंदगी भी खतरे की ओर अग्रसर हो रही है, क्योंकि अब इस सूचनाप्रौद्योगिकी के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स को आतंकवाद और ऑनलाइन कट्टरपंथी के लिए भी उपयोग होने से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि ऐसी कुछ अनेक ऑनलाइन साइट्स आ गई है जो ऑनलाइन कट्टरपंथ को तेजी से बढ़ावा देकर अपने आतंकवाद के लिए नए रास्तों को बनाया जा रहा है, जो के ह्यूमन कार्य से कहीं बहुत अधिक सरल आसान व सुरक्षित भी उनके लिए है तो कई मेल क्लिप सूचनाओं कोडवर्ड में भी कार्य होता है जिसे हम गहराई से न लेकर मजाकिया व हंसीमजाक के लेहज में लेकर उसे लाइक व शेयर भी करते रहते हैं, परंतु अब समय आ गया है कि हम इस विषय पर गंभीरता से ध्यान दें क्योंकि, कट्टरपंथी आख्यानों को समझने का कठिन कार्य जनता पर आता है, जिन्हें जानकारी का विश्लेषण करना चाहिए और लाइक, शेयर के माध्यम से इसकी पहुंच को बनाए रखने से बचना चाहिएकभी-कभी बिना सोचे-समझे हम सामग्री साझा करते हैं क्योंकि हमें लगता है कि यह हास्यास्पद या बेतुका है, अनजाने में कथा का प्रचार करते हैं और इसे किसी अधिक कमजोर व्यक्ति तक पहुंचने की अनुमति देते हैं। आतंकवादी इंटरनेट का उपयोग कट्टरपंथी बनाने,भर्ती करने औरआतंकवादी हमलों को अंजाम देने में सुविधा प्रदान करने के लिए करते हैं। यूरोपीय आयोग ने इसे रोकने में मदद के लिए स्वैच्छिक और विधायी उपायों और पहलों की एक श्रृंखला सामने रखी है। अभी हाल ही में फ्रांस के लियोन शहर में संपन्न हुई इंटरपोल की महासभा का समापन हुआ जिसमें 136 देश के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो जो भारत में सीबीआई है ने भाग लिया जिसमें भारत ने अपने रुक वैश्विक सुरक्षा के लिए ऑनलाइन कट्टरपंत महत्वपूर्ण चुनौती है का आकाश किया इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,प्रौद्योगिकी युग में अब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पुलिस और नीति निर्धारकों के साथ हम सबकी उंगलियों के नीचे है,इसलिए लाइक शेयर सोच समझकर करना है।

साथियों बात अगर हम फ्रांस के लियोन शहर में समाप्त हुई इंटरपोल महासभा की करें तो, महासभा में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक ने किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने संगठित अपराध, आतंकवाद और चरमपंथी विचारधाराओं के बीच सांठगांठ से उत्पन्न चुनौतियों पर बात की, कहा कि ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। इसके अलावा, आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की और कहा कि अच्छे आतंकवाद, बुरे आतंकवाद के बीच कोई अंतर नहीं किया जा सकता। भारत में सीबीआई नोडल एजेंसीप्रत्येक देश में राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी) इंटरपोल के साथ समन्वय के लिए जिम्मेदार नोडल संगठन है। इंटरपोल में सभी सदस्य देश एक प्लेटफॉर्म अपने देश में मौजूद बड़े अपराधियों की जानकारी एक-दूसरे के साथ शेयर करते हैं। भारत में सीबीआई ऐसे मामलों में इंटरपोल के संपर्क में रहती है। सीबीआई ही इंटरपोल और अन्य जांच एजेंसियों के बीच नोडल एजेंसी का काम करती है। भारत से

जब भी कोई अपराधी विदेश भाग जाता है या उसके विदेश भागने की आशंका होती है तो उसके खिलाफ लुकआउट या रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है।भारत ने आतंकवादऑनलाइन कट्टरपंथ और साइबर सक्षम वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने और उन्हें रोकने के लिए इंटरपोल चैनलों के जरिए ठोस कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अच्छे आतंकवाद और बुरे आतंकवाद के बीच कोई अंतर नहीं होने की बात पर जोर दिया और कहा कि ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि अपराध और अपराधियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर इंटरपोल चैनलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ संबंधों का भारत ने भी लाभ उठाया है। पिछले साल 29 अपराधियों और भगोड़ों को वापस लाया गया है, जो एक साल में सबसे अधिक है।प्रवक्ता ने कहा कि कई देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ चर्चा के दौरान भारत ने संगठित अपराध, आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, धन शोधन, ऑनलाइन कट्टरपंथ, साइबर सक्षम वित्तीय अपराधों से निपटने और रियल-टाइम के आधार पर इन अपराधों को रोकने के लिए ठोस कार्रवाई के उद्देश्य से इंटरपोल के जरिए समन्वय बढ़ाने की मांग की। तीन सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका, ब्रिटेन और सऊदी अरब सहित कई देशों के साथ चर्चा के दौरान इंटरपोल के जरिए सूचना साझा करने,परस्परकानूनी सहायता भेजने और प्रत्यर्पण अनुरोध में तेजी लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।भारत ने अंतरराष्ट्रीयसंगठित अपराध के खतरे से निपटने के लिए एनसीबी के नेटवर्क को मजबूत करने, साइबर-सक्षम वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ाने, इंटरपोल नेटवर्क और वैश्विक पुलिस डेटाबेस के उपयोग को बढ़ावा देने, बाल यौन शोषण के खिलाफ लड़ाई में और इंटरपोल के भीतर डेटा संरक्षण उपायों में सुधार करने जैसे प्रमुख निष्कर्षों का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा भारत की कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के अनुरोध परपूर्व में इंटरपोल द्वारा 100 रेड नोटिस प्रकाशित किए गए थे।

साथियों बात अगर हम इंटरपोल महासभा में अच्छे और बुरे आतंकवाद में कोई अंतर नहीं होने की बात को रेखांकित करें तो, भारत ने अच्छे आतंकवाद और बुरे आतंकवाद के बीच कोई अंतर नहीं होने की बात को रेखांकित करते हुए कहा है कि ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होने संगठित अपराध, आतंकवाद और चरमपंथी विचारधाराओं के बीच साठगांठ से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि ऑनलाइन कट्टरपंथ वैश्विक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है उन्होंने स्पष्ट रूप से सभी प्रकार के आतंकवाद की निंदा की और कहा कि अच्छे आतंकवाद, बुरे आतंकवाद के बीच कोई अंतर नहीं किया जा सकता। इस सम्मेलन का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए इंटरपोल और एनसीबी के बीच सहयोग को मजबूत करना था।

साथियों बात अगर हम ऑनलाइन युवा कट्टरवाद की करें तो, ऑनलाइन युवा कट्टरवाद वह क्रिया है जिसमें एक युवा व्यक्ति या लोगों का एक समूह तेजी से चरम राजनीतिक, सामाजिक, या धार्मिक आदर्शों और आकांक्षाओं को अपनाने के लिए आता है जो किसी राज्य की यथास्थिति को अस्वीकार या कमजोर करते हैं या समकालीन विचारों और अभिव्यक्तियों को कमजोर करते हैं, जिसे वे में निवास कर सकते हैं या नहीं भी कर सकते हैं।ऑनलाइन युवा कट्टरपंथ हिंसक या अहिंसक दोनों हो सकता है।यह घटना, जिसे अक्सर हिंसक उग्रवाद के प्रति कट्टरपंथ को उकसाना (या हिंसक कट्टरपंथ) कहा जाता है, विशेष रूप से इंटरनेट और सोशल मीडिया के कारण हाल के वर्षों में बढ़ी है। ऑनलाइन अतिवाद और हिंसा को बढ़ावा देने पर बढ़ते ध्यान के जवाब में , इस घटना को रोकने के प्रयासों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए चुनौतियाँ पैदा की हैं। इनमें अंधाधुंध अवरोधन , सेंसरशिप की अति-पहुंच (पत्रकारों और ब्लॉगर्स दोनों को प्रभावित करना), और गोपनीयता घुसपैठ से लेकर स्वतंत्र विश्वसनीयता की कीमत पर मीडिया के दमन या उपकरणीकरण तक शामिल हैं।आतंकवाद के लिए वर्तमान युद्धक्षेत्र कोई दूर देश नहीं बल्कि हमारे ठीक बगल में मौजूद कंप्यूटर और फोन हैं। आतंकवादियों ने संघर्ष को उसकी भौगोलिक सीमाओं को पार करने की अनुमति देने के लिए इस तकनीक का लाभ उठाया है। लोगों को अपने उद्देश्य की ओर आकर्षित करने के लिए भावनात्मक रूप से प्रेरित प्रचार का उपयोग करते हुए,आतंकवादी आत्म-कट्टरपंथ के माध्यम से मानव व्यवहार को संशोधित करने की उम्मीद करते हैं। वे जानते हैं कि एक सहानुभूतिपूर्ण दर्शक तक पहुंचने से उनके एजेंडे के समर्थन में विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। सोशल नेटवर्क अब एक ऐसा वातावरण है जहां हर कोईऑनलाइन प्रचार या गलत सूचना का सामना करने के प्रति संवेदनशील है, जिससे हर कोई कट्टरपंथ के प्रति संवेदनशील हो जाता है।कमजोर लोगों को कभी भी प्रचार या दुष्प्रचार देखने से रोकना असंभव है, लेकिन उन्हें सही तरीके से प्रतिक्रिया देना सिखाना संभव है। ये मामले आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में प्रौद्योगिकी सुरक्षा और सामुदायिक जागरूकता के बढ़ते महत्व को दर्शाते हैं। दक्षिण पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र की सरकारों और नागरिकों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग से उनके समाज पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में पता होना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अब केवल नीति निर्माताओं और पुलिस के हाथों में नहीं है; इसके बजाय, यह हम में से प्रत्येक के अंगूठे के नीचे रहता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इंटरपोल महासभा लियोन फ्रांस में भारत का आगाज-वैश्विक सुरक्षा के लिएऑनलाइन कट्टरपंथ महत्वपूर्ण चुनौती है।कट्टरपंथी विचारधारा को लाइक शेयर से बचकर,जनता ने पुलिस और नीति निर्धारकों का सहयोग करना जरूरी।प्रौद्योगिकी युग में अब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पुलिस और नीति निर्धारकों के साथ,हम सबके उंगलियों के नीचे है,इसलिए लाइक शेयर सोच समझकर करें।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

07 MAY 2024 M4U:Layout 1 06-May-24 10:40 PM Page 3

बच्चों को बनाएं होशियार और शालीन

बच्चा जब बड़ा होने लगता है तब ही से उसे नियम में रहने की आदत डालें। अभी छोटा है बाद में सीख जाएगा यह रवैया खराब है। उन्हें शुरू से अनुशासित बनाएं। कुछ पेरेंट्स बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर निर्देश देने लगते हैं और उनके ना समझने पर डांटने लगते हैं, कुछ माता-पिता उन्हें मारते भी हैं। यह तरीका भी गलत है। वे अभी छोटे हैं, आपका यह तरीका उन्हें जिद्दी और विद्रोही बना सकता है।

बच्चे वह नहीं सीखते जो आप कहते हैं, वे वही सीखते हैं जो आप करते हैं। अधिकतर पेरेंट्स के लिए परवरिश का अर्थ केवल अपने बच्चों की खाने-पीने, पहनने-ओढ़ने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना है। इस तरह से वे अपने दायित्व से तो मुक्त हो जाते हैं लेकिन क्या वे अपने बच्चों को अच्छी आदतें और संस्कार दे पाते हैं जिनसे वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बन सकें। अक्सर पेरेंट्स इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि हम अपने बच्चों की परवरिश किस तरह से करें तो हम आपको बताते हैं कुछ तरीके जो आपकी मदद करेंगे

उनके साथ क्वॉलिटी टाइम बिताएं

वर्किंग पेरेंट्स के साथ यह समस्या होती है कि उनके पास अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे माता-पिता अपने वीकएंड्स अपने बच्चों के लिए रखें। और सामान्य दिनों में भी उनके क्रियाकलापों पर ध्यान दें कि वे क्या करते हैं, उनके दोस्त कौन हैं आदि।

दोस्ताना व्यवहार करें

अब वह समय नहीं रहा जब माता-पिता ने जो कह दिया वही सही है। अब समय बदल गया है,बच्चे मुखर हो गए हैं। उनका अपना नज़रिया है। माता-पिता को यह करना है कि बच्चों के साथ बॉस या हिटलर की तरह नहीं बल्कि दोस्त बनकर रहें। आपका यह तरीका बच्चों को आपके करीब लाएगा। वे आपसे खुलकर बात कर पाएगें।

आत्मनिर्भर बनाएं

बचपन से ही उन्हें अपने छोटे-छोटे फैसले खुद लेने दें। जैसे उन्हें डांस क्लास जाना है या जिम। फिर जब वे बड़? होंगे तो उन्हें सब्जेक्ट लेने में आसानी होगी। आपके इस तरीके से बच्चों में निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा और वे भविष्य में चुनौतियों का सामना डट कर,कर पाएंगे।

जिद्दी ना बनने दें

जो पेरेंट्स बच्चों की हर मांग को पूरा करते हैं उनके बच्चे जिद्दी हो जाते हैं। यदि बच्चे बेवजह जिद करते हैं जिन्हें पूरा नहीं किया जा सकता तो उन्हें प्यार से समझाएं कि उनकी मांग जायज नहीं है।

गलत बातों पर टोकें

बढ़ती उम्र के साथ-साथ बच्चों की बदमाशियां भी बढ़ जाती है। जैसे - मारपीट करना, गाली देना, बड़ों की बात ना मानना आदि। ऐसी गलतियों पर बचपन से ही रोक लगा देना चाहिए ताकि बाद में ना पछताना पड़े।

अपनी अपेक्षाएं ना थोपें

कुछ अतिमहत्वाकांक्षी पेरेंट्स अपनी अपेक्षाओं को बच्चों पर थोपने लगते हैं। जिससे बच्चे तनावग्रस्त हो जाते हैं और उनका स्वाभविक विकास नहीं हो पाता है। माता-पिता ऐसा ना करें क्योंकि बच्चा अपने साथ अपनी खूबियां लेकर आया है। उसे स्वाभाविक रूप से बढ़ने दें।

बच्चों के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग ना करें

बच्चे नाजुक मन के होते हैं। उनके सामने बड़े जैसा व्यवहार करेंगे वैसा ही वे सीखेंगे। सबसे पहले खुद अपनी भाषा पर नियंत्रण रखें। सोच-समझकर शब्दों का चयन करें। आपस में एक दूसरे से आप कहकर बात करें। धीरे-धीरे यह चीज़ बच्चे की बोलचाल में आ जाएगी।

बारगेनिंग के भी कुछ रूल्स हैं

शॉपिंग में बारगेनिंग बहुत जरूरी है, लेकिन सभी ऐसा अच्छी तरह नहीं कर पाते। वैसे, हर गेम की तरह बारगेनिंग गेम के भी कुछ रूल्स हैं, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ प्रॉडक्ट को सही रेट में खरीदा जा सकता है, बल्कि शॉपकीपर के साथ अच्छी ट्यूनिंग भी बनाई जा सकती है।

आइटम की मार्केट वैल्यू

किसी भी आइटम के लिए बारगेनिंग करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह खोजबीन कर लें। तमाम शॉप्स पर उसके रेट कंपेयर कर लें। इससे आपको आइटम की मार्केट वैल्यू का अंदाजा हो जाएगा। वैसे, सरकार ने कुछ जगह चीजों के दाम फिक्स भी कर रखें हैं। आप चाहें, तो अपनी रिसर्च वहीं से कर सकते हैं।

कई चीजें एक साथ पसंद करें

शॉपिंग से पहले यह तय कर लें कि आखिर आपको क्या खरीदना है। इसके बाद आपको अपने पसंदीदा आइटम का मोल-भाव करने पर फोकस करना चाहिए। कई चीजें एक साथ पसंद करके दुकानदार को ऐसा कतई मत महसूस होने दीजिए कि आप क्या आइटम पसंद कर रहे हैं। वरना वह आपको ज्यादा रेट बता सकता है।

यूनीक आइटम में समझौता

अपने दिमाग में सोच लें कि फलां चीज के लिए आप कितनी रकम दे सकते हैं। हालांकि अगर आपको कुछ यूनीक आइटम्स मिल जाएं, तो उसके लिए ज्यादा पैसे खर्च करने के मौका नहीं मिलने वाला।

दुकानदार को बोलने दें रेट

पहले दुकानदार को उसके रेट बोलने दें। उसे कभी यह अंदाजा न होने दें कि आप कितनी रकम देने के मूड में हैं। अगर आप पहले उसके रेट सुन लेंगे, तो फिर आप ज्यादा अच्छी तरह मोलभाव कर पाएंगे। अगर आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको तसल्ली से चीजें दिखाए, तो अपने साथ एक्स्ट्रा टाइम लेकर जाएं। अगर आप जल्दी में शॉपिंग करने जा रहे हैं, तो निश्चित तौर पर आप ज्यादा पैसे खर्च करके आएंगे।

राउंड फिगर में बोलना ठीक नहीं

मोलभाव करते वक्त कभी भी राउंड फिगर में अमाउंट ना बोलें। बजाय इसके 620 या फिर 1735 जैसी सेमी राउंड फिगर इस्तेमाल करें। इससे दुकानदार को लगेगा कि आपने मार्केट सर्च की हुई है। अगर दुकानदार आपके रेट के मुताबिक चीज नहीं दे रहा है, तो परेशान होने की बजाय उससे बात करना जारी रखें। अगर प्यार से बात करेंगे, तो दुकानदार आपको यह भी समझाने की कोशिश करेगा कि वह आपको कम रेट में चीज क्यों नहीं दे सकता।

40 फीसदी तक कम करके बोलें

40 फीसदी कम करके करें। उसके बाद अगले ऑफर में 35 आपको 20 फीसदी डिस्काउंट तो दे दी देगा। बारगेनिंग के दौरान अपने पसंदीदा आइटम को दोबारा निहारने लगें। इससे दुकानदार को फाइनल प्राइस सोचने का वक्त मिल जाएगा। हो सकता है कि आप उसकी प्राइस पर हामी भर दें।

आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है लिविंग रूम

घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है। इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं।

जब आपके किसी के घर मेहमान बन कर जाते हैं तो उनका लिविंग रूम देखकर ही आप पूरे घर का अंदाजा लगा लेते हैं। वैसे ही जब कोई आपके घर आता है तो भी यही बात मायने रखती है। कहने का तात्पर्य यह है कि घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है। इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं। आपकी सजावट पर हमें कोई शक नहीं है बस हम आपके ज्ञान में थोड़ी वृद्धि कर रहे हैं कि कैसे आप अपने लिविंग रूम को और बेहतर बना सकतीं हैं।

- कंट्रॉस- लिविंग रूम में दीवारों पर कंट्रॉस कलर ट्राई करें या दो रंगों से दीवारों को रंगें। यह रूम को थोड़ा हटके लुक देगा। रंगों में लाइट-डार्क, ब्लैक-व्हाइट, रेड-व्हाइट का कॉम्बिनेशन ले सकते हैं। इन्हीं में से किसी कलर कॉम्बिनेशन को चुन कर आप पूरे कमरे के लुक को डिसाइड कर सकतीं हैं।
- फूलदान - लिविंग रूम की सेंटर टेबल पर फूलों का गुलदस्ता रखें। इसके लिए नकली फूलों के साथ विशेष अवसर पर प्राकृतिक फूलों का इस्तेमाल करें। यह लिविंग रूम को सजाने का सबसे आसान और सीमित बजट में निपटने वाला तरीका है।
- फोटो फ्रेम्स- अपने लिविंग रूम को क्लासी और इमोशनल टच देने के लिए दीवार पर अपनी फैमेली की फोटो लगा सकते हैं। चाहे तो पूर्वजों की तस्वीरों को भी लिविंग रूम में जगह दे सकते हैं। इससे निश्चित रूप से आपके लिविंग रूम में शांति और सौम्यता का वातावरण आ जाएगा।
- पर्दे- लिविंग रूम में पर्दे लगाएं लेकिन ध्यान रखें कि वे कमरे में आनेवाले प्राकृतिक उजाले को ना रोकें। आजकल पारदर्शी पर्दे चलन में हैं आप उन्हें इस्तेमाल कर सकतीं हैं या फिर अगर कुछ अलग करना चाहतीं हैं तो क्रोशिए से बने पर्दे लगाएं। ये मनचाहे रंग में मिल जाएंगे और कमरे में अंधेरा भी नहीं करेंगे और आपका कमरा शानदार दिखेगा।
- सेटअप- अपने फर्नीचर और एसेसरीज का सेटअप बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से करें। कमर खचाखच भरा हुआ ना लगे इसका खास ध्यान रखें। अच्छी लाइटिंग स्कीम चुनें। इस बात का ध्यान रखें कि कमरा व्यवस्थित लगे। साफ-सुथरा हो।

मुल्तानी मिट्टी के ये फेसपैक आपके चेहरे पर लाएंगे गजब का ग्लो

इस मौसम में स्किन में जलन, खुजली, दाग धब्बे, पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की परेशानी भी अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में आप मुल्तानी मिट्टी को अपनी डेली स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती है।

सेहत के साथ स्किन का भी खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस मौसम में वातावरण में नमी होने के कारण त्वचा पर चिपचिपाहट बढ़ने लगते हैं। इसके कारण स्किन में जलन, खुजली, दाग धब्बे, पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की परेशानी भी अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में आप मुल्तानी मिट्टी को अपनी डेली स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती है। यह औषधीय गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में इससे तैयार फेसपैक लगाने से स्किन संबंधी समस्याएं दूर होकर चेहरा साफ, ग्लोइंग, जवां व खिला-खिला नजर आता है।

मुल्तानी मिट्टी और आलू फेसपैक से होगी स्किन संबंधी समस्याएं दूर

सामग्री
मुल्तानी मिट्टी- 1-2 बड़े चम्मच
आलू का रस- जरूरत अनुसार

विधि
एक कटोरी में दोनों चीजें मिलाएं। तैयार मिश्रण चेहरे व गर्दन पर 10 मिनट तक लगाएं। बाद में ताजे पानी से इसे धोकर मॉश्चराइजर लगा लें।

फायदा
इससे त्वचा पर जमा एक्सट्रा ऑयल साफ होगा। चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे, कील-मुंहासे, झाइयां, काले घेरे, पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स आदि साफ होकर स्किन निखरी व खिली-खिली नजर आएगी।

मुल्तानी मिट्टी और हल्दी फेसपैक से स्किन इंफेक्शन का खतरा होगा कम

सामग्री
मुल्तानी मिट्टी- 1-2 बड़े चम्मच
हल्दी- चुटकीभर
दही या गुलाब जल- जरूरत अनुसार

विधि
एक कटोरी में सभी चीजें मिलाएं। तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर 10-15 मिनट तक लगाएं। बाद में गुनगुने पानी से इसे साफ करके चेहरे पर मॉश्चराइजर लगाएं।

फायदा
मानसून दौरान बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा कई गुणा बढ़ जाता है। ऐसे में हल्दी से तैयार यह फेसपैक स्किन इंफेक्शन से बचाव करेगी। साथ ही चेहरे पर ग्लो बरकरार रखने में मदद करेगी।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा से दूर होंगे पिंपल्स और एक्ने

सामग्री
मुल्तानी मिट्टी- 1 बड़ा चम्मच
एलोवेरा जेल- 1 बड़ा चम्मच
गुलाबजल- जरूरत अनुसार

विधि
एक कटोरी में दोनों चीजें मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट के बाद इसे पानी से धो लें। बाद में कोई मॉइश्चराइजर लगा दें।

फायदा
इस फेसपैक को लगाने से पिंपल्स, एक्ने व चेहरे पर जमा एक्सट्रा ऑयल साफ होगा। ऐसे में चेहरा साफ, ग्लोइंग, मुलायम, जवां व फ्रेश नजर आएगा।

फैशन ट्रेंड के अनुसार करें कपड़ों का चयन

कहते हैं कि फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन। इसलिए जब भी कहीं जाएं तो अप टू डेट रहें ताकि देखने वाले बस आपको देखते रह जाएं। जरूरी नहीं कि आप खास मौकों पर ही तैयार हों। कहीं भी जाना हो- चाहे वह दोस्तों की पार्टी हो, ऑफिस की मीटिंग हो या पिकनिक। हर जगह मौके के हिसाब से पहनावे में बदलाव लाना चाहिए। इसके लिए आपको फिक्र करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको बता रहे हैं कि कब क्या पहनना चाहिए? वह भी फैशन ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए।

बिजनेस मीटिंग में

ऑफिस में काम करने वाली महिलाओं को अक्सर कभी मीटिंग में जाना होता है तो कभी लंच पर, ऐसे में अपने आउटफिट और फुटवियर पर खास ध्यान देना जरूरी है।

क्या हो आउटफिट- डार्क कलर की पेंसिल स्कर्ट, पैंट या ट्राउजर पहन सकती हैं और इन्हें पेस्टल कलर की शर्ट के साथ पहनें। यह आपको परफेक्ट बिजनेस लुक देगा।

कैसे हो फुटवियर- ऑफिस में हाई हील्स अवॉइड करें। प्लेटफॉर्म हील्स ट्राई करें। ब्लैक, व्हाइट और ब्राउन कलर के लेदर सैंडिल भी अच्छे लगेंगे।

पिकनिक पर

दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाना हो तो कैजुअल और आरामदायक कपड़े और फुटवियर का चयन करना सही होगा ताकि आपको भागने-दौड़ने में कोई दिक्कत न आए।

क्या हो आउटफिट- जींस, फ्लेयर्ड फुल लेंथ स्कर्ट, कैप्री यानी लेंथ स्कर्ट पहनें। आप बरमूडा या शॉर्ट पैंट भी ट्राई कर सकती हैं।

कैसे हो फुटवियर- स्लीपर, ब्राइट कलर की रबर या प्लास्टिक की चप्पल पहनें। ये आपको कूल लुक देगी।

डेट पर

जब ब्वॉयफ्रेंड के साथ डेट पर जाना हो तो वही पहनें जिसमें आप कॉन्फिडेंट महसूस करें।

क्या हो आउटफिट- ब्लैक, रेड, व्हाइट या इनके कॉम्बिनेशन की ड्रेस पहनें। ज्यॉमेट्रिक प्रिंट या लेदर टेक्सचर शाम के समय परफेक्ट लुक देगा।

कैसे हो फुटवियर- पेंसिल हील डेट के लिए सबसे सही ऑप्शन है, लेकिन अगर फ्लेट पहनना चाहती हैं तो फिर आप कोल्हापुरी चप्पल ट्राई करें

क्लिप्स बनाएं बालों का लुक

इन दिनों बाजार में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर क्लिप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पंसद व ड्रेस के साथ मैचिंग कर इन हेयर क्लिप का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं। युवतियां ही नहीं बल्कि छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल क्लिप खासे भा रहे हैं। क्लिप्स जहां एक ओर यह बालों को बांधने के काम आते हैं वहीं आपको फैशनपरस्त दिखने में भी मदद करते हैं। कीमत में यह 10 रुपए से लेकर 50 रुपए तक मौजूद हैं। रंगों की बात करें तो रंग-बिरंगे क्लिप सभी को भा रहे हैं लेकिन इसी के साथ काला रंग भी खूब चलन में है। सब पर जो चल जाता है। इन दिनों युवतियां जहां गर्मी से बचने के लिए विभिन्न प्रकार के आकर्षक हेयर स्टाइल अपना रही हैं। वहीं बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मार्केट में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर क्लिप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पंसद व ड्रेस के साथ मैचिंग कर इन हेयर क्लिप्स का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं। छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल क्लिप्स खासे भा रहे हैं। सिंपल हेयर स्टाइल में भी यदि युवतियां इन डिजाइनर हेयर क्लिप्स का इस्तेमाल करती हैं तो वह दिखने में बहुत खूबसूरत लगता है। इन हेयर क्लिप्स की खासियत यह है कि विभिन्न रंगों में मौजूद होने के कारण युवतियां व बच्चे इनका प्रयोग अपनी ड्रेस के

साथ मैचिंग कर सकते हैं। छोटे बच्चों को भी रह हेयर क्लिप्स बहुत पंसद आ रहे हैं। कॉलेज गोइंग गर्ल्स सूट सलवार, जींस व हर प्रकार की ड्रेस के साथ ही हेयर क्लिप्स का प्रयोग करना पंसद रही हैं। युवतियों का कहना है कि सिंपल हेयर स्टाइल के बावजूद भी यह क्लिप्स बालों का आकर्षण बढ़ा देते हैं। गर्मी से राहत के साथ फैशन के तौर पर भी इनका इस्तेमाल हो जाता है। इन क्लिप्स का प्रयोग यूं तो केवल छोटे बच्चों को लुभाने के लिए भी किया जाता था। लेकिन आजकल इनका प्रयोग कॉलेज जाने वाली गर्ल्स से लेकर कामकाजी युवतियां तक करना पंसद कर रही है। इसका मुख्य कारण इन क्लिप्स का विभिन्न रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध है। इनकी कीमत 20 रुपए पेयर के हिसाब से शुरू होती हैं। युवतियाँ अपनी ड्रेस की मैचिंग के क्लिप्स लेती हैं।

07 MAY 2024 M4U:Layout 1 06-May-24 10:40 PM Page 4

बेखौफ बेगम ने सिगरेट से दागा शौहर का प्राइवेट पार्ट चाकू से भी किया हमला

मीडिया फॉर यू
बिजनौरः अतीक अहमद

चांदपुर सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिजनौर के स्योहारा क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति के साथ दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी है महिला ने सबसे पहले पती के हाथ पैर बांधकर जलती सिगरेट से दागा फिर प्राइवेट पार्ट को काटने की कोशिश की जिला

बिजनौर में ऐसी कलयुगी पत्नी का चेहरा समाज के सामने बेनकाब हुआ है जिसने अपने ही पति को ऐसी अमानवीयता की हदे पार की है जिसे देखकर समाज भी शर्मसार हो जाए चोरी छुपे बेडरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में पत्नी की करतूत का पता चलता है जहां वह पति को नंगा करके हाथ बांधकर गुप्तांग को सिगरेट से दागती हुई जालिम पत्नी साफ तौर से नजर आ रही है पति दर्द के मारे चीखता चिल्लाता रहा लेकिन पत्थर दिल पत्नी का दिल नहीं पसीजा पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेजने की कवायद शुरू कर दी एक ऐसी जालिम पत्नी के बेडरूम के लाइव फुटेज वायरल हुए हैं जिसे देखकर समाज का हर तबका शर्मसार हो रहा है बिजनौर जनपद के थाना स्योहारा के गांव चक महमूद सानी के मन्नान जैदी की शादी पास के ही गांव में हुई थी अभियुक्त महिला ने शादी से पहले प्यार का झूठा नाटक भी रचा था शादी करने के लिए अभियुक्त महिला मन्नान जैदी के घर पहुंचकर शादी की

जिद पर अड़ी थी आखिरकार परिवार की रजामंदी से दोनों की शादी 17 नवंबर 2023 को मुस्लिम रीती रिवाज के तहत हो गई थी पीड़ित पिता का कहना है कि बेटे की पत्नी आए दिन पति को मारती पीटती थी जिसकी वजह से मन्नान जैदी पति ने पत्नी की चोरी से अपने ही बेड रूम में सीसीटीवी कैमरे लगा दिया ताकि उसकी पत्नी की करतूत समाज के सामने आ सके अभियुक्त ने अपने पति को नशे की गोलियां दूध में देकर उसको नंगा करके दोनों हाथ बांधकर मानवता की हदें पार कर डाली अभियुक्त पत्नी ने अपने पति के गुप्तांग को सिगरेट से दाग डाला और इतना ही नहीं हाथ मे चाकू लेकर कई जगह चोटिल किया वो जालिम पत्नी सिगरेट की कश मारती रही और अपने पति के गुप्तांग को दागती रही पति दर्द के मारे चिल्लाता रहा चीखता रहा लेकिन जालिम पत्नी का जुल्म कम होने की बजाए बढ़ता ही गया पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी जालिम पत्नी के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार करते हुए जेल भेजने की कवायद में पुलिस जुट गई है फिलहाल पीड़ित पति अस्पताल में भर्ती है जिसका इलाज चल रहा है एसपी धर्म सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 4 मई को वादि मन्नान जैदी जो कि थाना स्योहारा के गांव चक महमूद सानी के रहने वाले हैं उन्होंने थाना स्योहारा में तहरीर दी है कि उसकी पत्नी उसके साथ आए दिन झगड़ा और मारपीट करती है शारीरिक मानसिक उत्पीड़न के साथ ही अमानवीय व्यवहार करती है रात में उसकी पत्नी ने वादी को नशीला पदार्थ पिलाकर जान से मारने की नियत से उसका गला दबाया और जलती सिगरेट से उसका शरीर जलाकर शारीरिक उत्पीड़न किया गया इस तहरीर के आधार पर स्योहारा पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करके कार्रवाई की गई कार्रवाई के क्रम में अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया

संक्षिप्त समाचार

समाज कल्याण विभाग में रिश्वत लेने का मामला सामने आया पूर्ण बोरा

मीडिया फॉर यू, बिजनौरः अतीक अहमद

चांदपुर बिजनौर के मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा ने जानकारी देते हुए बताया कि टी०वी०-8 टुडे न्यूज नेटवर्क बिजनौर एक्सक्लूसिव खबर के ट्विटर हैंडल पर राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के नाम पर विधवा महिलाओं से रिश्वत लेते हुए समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी की वीडियो वायरल हुई है इस वीडियो में समाज कल्याण विभाग के सुपरवाइजर बृजेश कुमार रिश्वत लेते हुए दिखाई दे रहे हैं जो वर्तमान में राजकीय अम्बेडकर छात्रावास तैमूरपुर दीपा बिजनौर में तैनात है उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निदेशों के अनुक्रम में उक्त प्रकरण की जांच के लिए उनके द्वारा जिला विकास अधिकारी व जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी की 2 सदस्यीय जांच कमेटी का गठन कर दिया गया है उन्होंने निर्देशित किया कि सन्दर्भित प्रकरण में जांच समिति अपनी आख्या 3 दिवस के अन्दर प्रस्तुत करेंगी तदोपरान्त समिति की जांच आख्या अग्रिम कार्यवाही के लिए निदेशक समाज कल्याण उ०प्र० लखनऊ को भेजी जाएगी जांच कार्यवाही पूर्ण होने तक सम्बन्धित कर्मचारी जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास बिजनौर के कार्यालय में सम्बद्ध रहेंगें

आदर्श नगर पालिका उतरौला का वार्ड नंबर 17 जहां पर महीनों नहीं होती है नाली की साफ सफाई

मीडिया फॉर यू ब्यूरो, मसीउद्दीन खान मस्सू

उतरौला बलरामपुरः आदर्श नगर पालिका उतरौला का एक वार्ड ऐसा वार्ड नंबर 17 है जहां पर नालियां कूड़े से भठी पड़ी है। इस वार्ड में नियमित नालियों की सफाई न होने से कूड़ा करकट मच्छर के लारवा नालियों में पनपते रहते हैं। मीडिया फॉर यू संवाददाता को इसी वार्ड के निवासी डॉक्टर हाशमी साहब ने बताया कि यहां पर नियमित साफ सफाई न होने के कारण नालियां बजबजाती रहती हैं। और इस क्षेत्र में झाड़ू भी हफ्ते में 2 दिन लगता है। जबकि झाड़ू डेली लगना चाहिए। चूं कि यह वार्ड बरदही बाजार के क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र पर नगर पालिका अधिकारियों का ध्यान नहीं जाता है। इसलिए लापरवाही होती रहती है। जबकि इस वार्ड में नियमित साफ-सफाई रखना बहुत जरूरी है। इस वार्ड के निवासियों ने मांग की है। कि इस वार्ड में भी साफ नियमित सफाई करवाई जाए।

लोकसाभ सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु मा0 ऑब्जर्वर (सामान्य) का जनपद में हुआ आगमन

मीडिया फॉर यू, देवीपाटन मंडल प्रभारी हाजी निसार उस्मानी

बलरामपुर लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त मा0 ऑब्जर्वर (सामान्य) श्री किशोर कुमार (आई0ए0एस0 2014 बैच) का जनपद में आगमन हो चुका है। मा0 प्रेक्षक (सामान्य) का मो0न0 - 7521888464 है। मा0 प्रेक्षक के साथ अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत सुभाष चंद को लाइजन आफिसर नियुक्त किया गया है।

हंसराम गंगाराम अहीर ने की पिछड़े वर्ग के मतदाताओं से वोट डालने की अपील

नई दिल्ली, 06 मई (वेब वार्ता)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराम गंगाराम अहीर ने पिछड़े वर्ग के सभी मतदाताओं से मतदान कर अपने अधिकार का इस्तेमाल करने की अपील की है।

आयोग की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री अहीर ने कहा है कि मताधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त एक असरदार और संवैधानिक अधिकार है। लोकसभा का चुनाव एक राष्ट्रीय पर्व है जो लोकतंत्र की मजबूती के लिये मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया था जिसके माध्यम से पिछड़े वर्गों को संवैधानिक अधिकार दिया गया है। इसके माध्यम से पिछड़े वर्गों के अधिकारों का संरक्षण और संवर्धन किया जा रहा है। श्री अहीर ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य, राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती के लिये पिछड़ी जातियों के सभी मतदाताओं को अपने संवैधानिक अधिकारों को प्रयोग करते हुये मतदान में हिस्सा लेना चाहिए।

लोक निर्माण विभाग मे भ्रष्ट ठेकेदारों के खिलाफ शिव सैनिकों का प्रदर्शन

मीडिया फॉर यू
बिजनौरः अतीक अहमद

चांदपुर धनौरा मार्ग में लोक निर्माण विभाग की तरफ से सड़कों का चौड़ीकरण का कार्य भ्रष्ट ठेकेदारों द्वारा किया जा है जिसकी शिकायत शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह द्वारा चांदपुर उपजिला अधिकारी लोक निर्माण अधिशासी अभियंता व अपर जिलाधिकारी बिजनौर से की गई लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई ना होने के संबंध में शिव सैनिकों ने शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी बिजनौर को ज्ञापन सौपा इस दौरान वीर सिंह ने कहा कि इस

निर्माण कार्य से संबंधित ठेकेदार द्वारा मुझ पर दबाव बनाकर शिकायत वापस लेने को कहा है वापस ना लेने की स्थिति में अंजाम भुगत लेने की धमकी दी है और कहा है कि धामपुर विधायक अशोक राणा की तरह तुम्हें भी पिक्चर दिखा देंगे कुछ दिन पूर्व धामपुर विधायक अशोक राणा को इसी निर्माण कंपनी ने झूठे मुकदमे में फसाया है और अब वह शिकायत करने वाले सभी जनप्रतिनिधियों को इसी तरह का अंजाम भुगत लेने की धमकी दे रहे हैं ऐसी भ्रष्ट कंपनियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की गई ज्ञापन देने वालों में चौधरी वीर सिंह विजय मोहन गुप्ता शशि कुमार कैलाश सिंह धर्मवीर सिंह बिट्टू कुमार संदीप उर्फ बिल्ला जितेंद्र कुमार बंटी शेरावत कुलबीर सिंह कुलबीर चंकी चौहान सचिन कुमार आदि शामिल रहे

महिला पर जानलेवा हमला कर चेन और बाली लूटी

नोएडा (वार्ता)। सेक्टर-107 में महिला से मारपीट करने और गले से सोने की चेन और कान की बाली लूटने के मामले में सेक्टर-39 थाने में आरोपी भाई-बहनों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि आरोपी महिला के भाई ने पीड़िता के कपड़े फाड़ते हुए छेड़खानी भी की। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-107 स्थित ग्रेट वैल्यू शरणम सोसाइटी निवासी महिला ने बताया कि उसके सामने वाले फ्लैट में किरन उपाध्याय नाम की महिला रहती है। तीन मई को सुबह के समय किरन और उसके भाई रवि उपाध्याय ने उनके घर में घुसकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। रवि उपाध्याय ने महिला के कपड़े फाड़े और इज्जत लूटने का प्रयास किया। किरन और रवि ने महिला के गले से सोने की चेन और कान की बाली भी लूट ली। महिला के शोर मचाने पर उसके पति समेत अन्य लोगों ने मौके पर पहुंचकर उसकी जान बचाई। इस दौरान महिला और उसका भाई जान से मारने की धमकी देकर वहां से चले गए। शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को बताया कि किरन का आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ दिल्ली में दो और सेक्टर-39 थाने में एक केस दर्ज है। पुलिस किरन और उसके भाई की तलाश में दबिश दे रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का ज्ञान एवं कौशल संवर्धन प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

मीडिया फॉर यू
बाराबंकीः अशरफ अली

मसौली बाराबंकी। बाल विकास परियोजना अधिकारी सुलेखा यादव की अध्यक्षता मे सोमवार को पंचायत भवन सभागार में एक दिवसीय आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों का ज्ञान एव कौशल संवर्धन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन राकेट लर्निंग संस्था के तत्वाधान मे सम्पन्न हुआ। रॉकेट लर्निंग संस्था के समन्वयक कृष्णा गुप्ता ने प्रशिक्षण शिविर मे प्रतिभागी आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों को "पोषण भी पढ़ाई भी" के अंतर्गत शालापूर्व शिक्षा में "खेल आधारित अधिगम" पर प्रशिक्षण सत्र की जानकारी दी तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को खेल के माध्यम से बच्चों में होने वाले समग्र विकास व उनसे संबंधित कौशल एवं उनका बच्चों के जीवन में होने वाले प्रभावों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई जिससे हमारे आंगनवाड़ी केंद्र शिक्षा के

उत्कृष्ट केंद्र बने और नौनिहालों का भविष्य बेहतर हो सके । बाल विकास परियोजना अधिकारी सुलेखा यादव ने बताया कि लाकडाउन के बाद तीन से छह साल के बच्चों की पढ़ने की आदत छूट गई। अब उन्हें पाठयक्रम में समझाने में समस्या आ रही है। इस योजना के तहत विद्यार्थी खेल-खेल और मनोरंजन गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान लेंगे। वाट्सएप के माध्यम से बच्चों को होम वर्क भेज जाएगा। अभिभावक हिस्सा लेकर बच्चों को समझा सकेगे। प्रतिदिन बीस मिनट की गतिविधियां होगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाले अभिभावक और बच्चों को पुरस्कार दिया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर मे सुपरवाइजर निहारिका, कार्यकत्री स्वेतलता श्रीवास्तव, सरोज गुप्ता, गुड्डी गुप्ता, प्रमिला श्रीवास्तव, शगुफ्ता सहित क्षेत्र की करीब तीन दर्जन कार्यकत्रियाँ मौजूद थी।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मतदान जागरूकता गोष्ठी का हुआ आयोजन

मीडिया फॉर यू
संवाददाताः अशरफ अली

मोहनलाल वर्मा एजुकेशनल इंस्टीट्यूट बाराबंकी में मतदाता जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। सभी स्वयं सेवकों ने स्लोगन तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता जागरूकता विषय पर चर्चा की तथा लोकतंत्र में इसकी महत्ता का वर्णन भी किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एच. एन. चौधरी ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को समझाया तथा उपस्थित स्वयंसेवकों को मतदान करने के लिए भी प्रेरित किया। मोहनलाल वर्मा एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष अलंकार ने मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी नए मतदाताओं को अपने मत का सही प्रयोग करने को कहा। कार्यक्रम में उपस्थित मोहनलाल

वर्मा एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष राकेश वर्मा ने सभी स्वयं सेवकों को मतदाता जागरूकता के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा सभी स्वयं सेवकों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापक राकेश पाल ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी पंकज पटवा ने सभी सहयोगी प्राध्यापक को तथा मुख्य अतिथि को धन्यवाद ज्ञापित किया और स्वयं सेवकों को मार्गदर्शन करते हुए कहा की राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए सभी स्वयंसेवक अपने गांव मोहल्ले में लोगो को मतदान के लिए प्रेरित करें जिससे अधिकतम मतदान हो सके।कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेविका गुलशन आरा तथा प्रांशी बाजपेई ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयं सेवक जय गुप्ता, पवन, नितिन, जतिन वर्मा, विनीत यादव आदि उपस्थित रहें।

रोडरेज में कार सवार दबंगों ने महिला की कार पर ईंट-पत्थर से किया हमला, पुलिस ने लिया स्वतः संज्ञान

ग्रेटर नोएडा (वार्ता)। ग्रेटर नोएडा में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। किसी भी घटना को अंजाम देकर वे आसानी से फरार हो जाते हैं। ऐसा ही एक मामला नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र से सामने आया है। यहां एक रोडरेज के मामले में दबंगों ने कार सवार महिला का कई किलोमीटर तक पीछा किया। इसके बाद उन्होंने महिला की कार पर ईंट-पत्थरों से हमला किया। वहीं महिला अपनी कार के अंदर थी और वह किसी तरह वहां से निकल सकी। घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई है। पूरी घटना कार में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र की नासा पार्किंग के पास की है। जहां 1 मई को थाना बीटा दो में दिनदहाड़े कार सवार बदमाशों ने एक 15 वर्षीय किशोर का अपहरण किया और उसके बाद उसे लेकर फरार हो गए। जिसकी 5 मई को बुलंदशहर में शव मिला। यह सीसीटीवी वीडियो भी रविवार रात की बताई जा रही है जहां कार सवार दबंगों ने महिला की कार पर हमला बोल दिया, हालांकि हादसे में किसी को चोट नहीं आई है।

एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि घटना रविवार देर की है। कार सवार आरोपियों ने महिला की कार पर ईंट व पत्थर से हमला किया। घटना के बाद पुलिस ने पीड़ित महिला से संपर्क किया। पीड़ित महिला ने किसी भी प्रकार की कार्यवाही से इनकार कर दिया है। हालांकि थाना नॉलेज पार्क द्वारा इस घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले में कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

एडीसीपी ने बताया कि आरोपियों व पीड़ित महिला की गाड़ी आपस में टच हो गई थी। जिसको लेकर यह विवाद हुआ। विवाद के बाद पीड़ित महिला वहां से कार लेकर जा रही थी। इस दौरान आरोपियों द्वारा उनकी कार का पीछा किया गया और फिर गाड़ी आगे लगाकर महिला की कार पर ईंट व पत्थर फेंकी गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों के खिलाफ गुंडा एक्ट में भी कार्यवाही की जाएगी।

चलो गांव की ओरःअखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा

मीडिया फॉर यू ब्यूरो
अजीत कुमार श्रीवास्तव

शामलीः शामली अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा (पंजीकृत) के तत्वाधान में आयोजित चलो गांव की ओर की एक बैठक सनातन धर्म मंदिर ग्राम धनोरी खुर्द, मैं हुई जिसकी अध्यक्षता पंडित सुखपाल शर्मा जी सेवानिवृत अध्यापक ने की । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी आदरणीय पंडित के. सी. गौड़ उपस्थित रहे ' बैठक में ब्राह्मण समाज के उत्थान एवं समाज को एकजुट कर कैसे आगे बढाया जाये जैसे भिन्न भिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और उपस्थित सभी विप्र बंधुओं ने अपने -अपने विचार भी रखे

' संस्था के राष्ट्रीय प्रभारी पंडित के.सी. गौड ने अपने उद्बोधन में कहा हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा तथा संस्कार दिलवाने होंगे क्योंकि शिक्षा ही समस्त समस्याओं का समाधान है ' बैठक में उपस्थित समस्त विप्र बंधु यह संकल्प लें कि हम समाज को सर्वोपरि बनाने में अपना सर्वस्व न्योछावर करेंगे ' संगठन का विस्तार करते हुए उपस्थित विप्र बंधुओं की सहमति और परामर्श के आधार पर पंडित राजेश कुमार शर्मा को ग्राम अध्यक्ष , पंडित विकास भारद्वाज को ग्राम अध्यक्ष "युवा प्रकोष्ठ" ग्राम धनोरी खुर्द तथा पंडित सचिन शर्मा को ग्राम महासचिव (युवा प्रकोष्ठ) धनोरी खुर्द के पद पर मनोनीत किया गया ' बैठक में उपस्थित पंडित नारायण दत्त शर्मा सेवानिवृत्त पंडित सोहन पाल शर्मा ग्राम महासचिव ,पंडित चंद्रपाल शर्मा सेवानिवृत अध्यापक,पंडित हिमांशु शर्मा , पंडित रॉकी शर्मा पंडित विमल शर्मा, पंडित तरुण शर्मा , पंडित मंगेश कुमार शर्मा , पंडित उमंग शर्मा पंडित हरि दत्त शर्मा पंडित परमानंद शर्मा ,पंडित इंद्रप्रकाश शर्मा , पंडित विनय शर्मा , पंडित दीपक शर्मा , पंडित योगेश कुमार शर्मा , पंडित प्रेमचंद शर्मा पंडित विनोद शर्मा , पंडित कुमारपाल शर्मा तथा अनेक सम्मानित विप्र बंधुओं ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचित होने पर आत्मीय मंगलकामनाएं तथा आशीर्वाद दिया `

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, नीरज कुमार गुप्ता ने मै0 मोनेक्स ऑफसेट एस डी काप्लैक्स निकट एमएमजी अस्पताल जी टी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित कराकर बी 10/6 उमेश पार्क, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय होगा। मोबाइल नं. 9870629696 संपादक नीरज कुमार गुप्ता